

पर्यावरण संरक्षण स्वीकृति प्रमाण पत्र

इस योजना में पर्यावरण को किसी प्रकार की क्षति नहीं होगी। अतएव पर्यावरण संरक्षण स्वीकृति प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। भारत का राजपत्र भाग - II खण्ड 3 उपखण्ड (ii) संख्या 1067 नई दिल्ली वृहस्तपतिवार सितम्बर 14,2006 / भाद्र 23,1928

४५ वन मंडल कोरबा
कोरबा ज़िले बद्रगढ़

वनमंडलाधिकारी
कोरबा वन मंडल कोरबा



(अमन कुमार सिंह)
महाप्रबंधक (कार्पोरेशन)
रिलायंस जिओ इंफोकॉम लिमिटेड
रायपुर छत्तीसगढ़

प्रान्तीय मंड़ी एक-33004/99

(१)

चैक जिस्ट - II

REGD. NO. D.L.-33004/99



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, भूहरिया, विप्रवार 14, 2006/माद्र 23, 1928

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 14, 2006/MADRAS 23, 1928

पर्यावरण और बन पंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 विप्रवार, 2006

का.आ. 1533(3)—केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा सभ्य सरकार या संवैधित संघ संघवाचक प्रशासन के प्रशासनीय रो गठित किए जाने वाले संज्ञा या संघ सचिवालय स्वार पर्यावरण समिति निर्धारण प्राधिकरण द्वारा इस अधिरूपना के प्रयोजन के लिए पर्यावरण (संलग्न) अधिनियम, 1986 की बारा 3 की उपधारा (3) के अधीन संघ मंत्रिमंडल द्वारा 18 मई, 2006 को अनुमोदित संस्कृत पर्यावरण नीति गौर अधिसूचना गे विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के उद्देश्यों मंत्रिमंडल द्वारा 18 मई, 2006 को अनुमोदित संस्कृत पर्यावरण नीति गौर अधिसूचना गे विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के उद्देश्यों के अनुसार जब तक पूर्ण पर्यावरणीय अभावपरि अग्निलिखित नहीं हो जाती है, भारत के किसी भाग में, नई के अनुसार जब तक पूर्ण पर्यावरणीय अभावपरि अग्निलिखित नहीं हो जाती है, भारत के किसी भाग में, नई परियोजनाओं या क्रियाकलापों पर या इस अधिसूचना की अनुसूची में यथा उपवर्णित उनके राक्षम पर्यावरणीय समाधानों पर विद्यमान परियोजनाओं या क्रियाकलापों के विस्तार या आधुनिकीकरण पर कातिपय निर्वर्धन और प्रतिषेध कोरोनोपीत करने के लिए पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के अधीन एक प्रारूप अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (ii) मे. का०३०० रा० 1324(3), तारीख 15 रितवर, 2005 द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें उन सभी विवितियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना को अंतर्विद्वत् करने वाले सचिवालय की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, साठ दिन वही अधियोगी के गीतर आलेप और शुशाव आमंत्रित किए गए थे;

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां 15 रितवर 2005 को जनता वो उपलब्ध करा दी गई थी; और ऊपर उल्लिखित प्रारूप अधिसूचना के उत्तर में प्राप्त राजी अधेशों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने समाकृत रूप से विचार कर लिया है।

(1)

अनुसूची

(परा 2 और 7 देखें)

पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति की अपेक्षा वाली परियोजनाओं या क्रियाकलापों की सूची

क्र. सं.	परियोजना या क्रियाकलाप	अवरीमा सहित प्रवर्गे	शर्त, यदि कोई हो	
			क्र	ख
खनन, प्राकृतिक संसाधन का निष्कर्षण और विद्युत उत्पादन विनिर्दिष्ट उत्पादन क्षमता के लिए)				
1			4	5
1	खनन	खनन पट्टा क्षेत्र या ≥ 50 हेक्टेयर किसी भी खनन क्षेत्र का ध्यान दिए दिना ऐरवेस्टज खनन	< 50 हेक्टेयर ≥ 5 हेक्टेयर खनन पट्टा क्षेत्र	साधारण शर्त लागू होगी टिप्पणि खनिज पदार्थों के पूर्वक्षण (जिसमें ड्रिलिंग न हो) को छूट दी गई है तर्ही कि वारितवक रार्केशन दो लिए छूट वाले क्षेत्रों की पूर्व अनुमति ली गई है।
1(ख)	अपतट और तटकर्ता तेल तथा गैस की खोज, विकास और उत्पादन	रामी परियोजनाएं		टिप्पणि सार खोज रार्केशन (जिसमें ड्रिलिंग न हो) को छूट दी गई है तर्ही कि वारितवक रार्केशन के लिए छूट वाले क्षेत्रों की पूर्व अनुमति ली गई है।
1(ग)	नदी धारी परियोजनाएं	(i) ≥ 50 मेंवा० जल विद्युत उत्पादन (ii) $\geq 10,000$ हॉर्डेनी योग्य प्रमाणित क्षेत्र	(i) $< 50 \geq 25$ मेंवा० जल विद्युत उत्पादन (ii) $< 10,000$ हॉर्डेनी योग्य प्रमाणित क्षेत्र	साधारण शर्त लागू होगी
1(घ)	तापीय विद्युत संरचना	(कोयला लिग्नाइट और नेष्टा गोरा आधारित) ≥ 500 मे.वा. ≥ 50 मे.वा. (पेटकोक, डीजल और सभी अन्य ईधन)	(कोयला/लिग्नाइट/नेष्टा एवं गोरा आधारित) < 500 मे.वा. (पेटकोक, डीजल और सभी, अन्य ईधन) < 50 मे.वा ≥ 5 मे.वा.	साधारण शर्त लागू होगी
1(ङ)	आणविक विद्युत परियोजनाएं और आणविक ईधन का प्रसंरक्षण	सभी परियोजनाएं		
प्राथमिक प्रसंरक्षण				
2				
2(क)	कोयला धोक्कनशालाएं	≥ 1 गिलियन टन/ वार्षिक कोयले का उत्पादन	< 1 गिलियन टन/ वार्षिक कोयले का उत्पादन	साधारण शर्त लागू होगी। (यदि खनन क्षेत्र के अंदर स्थित है तो प्रताव का मूल्यांकन खनन प्रसंरक्षण के साथ किया जाना चाहिए)

[भाग I] — खण्ड 3(३)

भारत का नवदूत : इन्डियाप्रेस

अनुसूची

(परा २ रोटे ७ देश)

पूर्व पर्यावरणीय अन्यथा की अपेक्षा बहुत अधिक जलवायिक एवं उद्यापक जलवायिक जलवायिक

क्र. सं.	परियोजना ना. फ्रियाकलाप	अवसीमा सहित प्रयोग	क्रम	क्रम
खनन, ग्रामीण भैंसाधन का निष्कर्षण और विद्युत उत्पादन विनियोग उपलब्ध क्षमता के लिए				
1	खनन, ग्रामीण भैंसाधन का निष्कर्षण और विद्युत उत्पादन विनियोग उपलब्ध क्षमता के लिए	खनन, ग्रामीण भैंसाधन का निष्कर्षण और विद्युत उत्पादन विनियोग उपलब्ध क्षमता के लिए	1	खनन, ग्रामीण भैंसाधन का निष्कर्षण और विद्युत उत्पादन विनियोग उपलब्ध क्षमता के लिए
1(अ)	खनन का खनन	खनन वर्षा क्षेत्र का > 50 है दिनों में खनन क्षेत्र का व्यापक प्रियाकलाप खनन	< 50 है देश में है खनन क्षेत्र का व्यापक प्रियाकलाप	खनन का खनन दिनों में खनन क्षेत्र का व्यापक प्रियाकलाप
1(ख)	अन्तर्राष्ट्रीय तात्पर्य सेवा तथा ऐस की खोज, विनाश क्षमता उत्पादन	स्वीकृत जलवायिक		स्वीकृत जलवायिक जलवायिक विनाश क्षमता उत्पादन
1(ग)	वर्षा आपाती परियोजनाएँ	(i) ≥ 50 मेंदा० जल विद्युत उत्पादन (ii) ≥ 10,000 हॉर्डेटी ग्राम जलवायिक देश	(i) < 50 & 25 मेंदा० जल विद्युत उत्पादन (ii) < 10,000 हॉर्डेटी जलवायिक देश	वर्षा आपाती परियोजनाएँ जलवायिक देश
1(घ)	वर्षा आपाती परियोजनाएँ	(अर्थात् विनियोग और रोप्या ग्राम आपात्ति) > 500 मेंदा० ≥ 50 मेंदा० (प्रियाकलाप, दौलताहार और जली आपात्ति ईक्षण)	(लोकल/विनाइटर्नेशन एवं ग्राम आपात्ति) > 500 मेंदा० (प्रियाकलाप, दौलताहार जलवायिक आपात्ति) < 50 मेंदा० & 25 मेंदा०	वर्षा आपाती परियोजनाएँ जलवायिक देश
1(ङ)	अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत परियोजनाएं और आपात्ति इंडिकेशन का प्रस्तुतरण	सभी परियोजनाएँ		
प्रायोगिक प्रसरणरण				
2(अ)	लोकल विनाइटर्नेशन	≥ 1 निष्कर्षण देश/ वार्षिक लोकल सेवा का उत्पादन	< 1 निष्कर्षण देश/ वार्षिक कोषिका जल उत्पादन	सार्वजनिक जल विनाइटर्नेशन परियोग देश का उत्पादन विनाइटर्नेशन की जलवायिक जल प्रसरणरण का उत्पादन

	लक्षण	मुक्ति दिनांक वा क्रमांक द्वारा दर्शाया गया अवधि	अधिकारी वा लोगू होनी	
5(a)	दीनी उद्धोष	मुक्ति दिनांक वा क्रमांक द्वारा दर्शाया गया अवधि 5000 रुप. इनिका	सामाजिक सर्वे लोगू होनी	
5(b)	प्रेषण/आँचल नट्टी/कुण्डला मट्टी 5 उप भासि चंदा वा ज्वाला	मुक्ति दिनांक वा क्रमांक द्वारा दर्शाया गया अवधि सामाजिक सर्वे लोगू होनी	सामाजिक सर्वे लोगू होनी	
6	संक्षेप सेक्टर			
6(c)	बाल्य उडानी/ अवश्यकताएँ/ प्रदान शिक्षा/ एवं ऐसी टार्डन लड़िया पर्सिपिलीन हैवेलसील क्लॉडो है भुजली बाली लेक और पैल फॉरेव्हन चाहूप लाइन्सिंगिक्स और परिकल्पी /च्लॉड प्रसाधन रखवाएँ)	सभी विधिवाली	सामाजिक सर्वे लोगू होनी	
6(d)	एकल गवारकरण और परिवर्तनमय रसायन को जनाना (एनरजकार्हएवरसी नियन्, 1989 और 2000 वी जलालिता अनुशृति 2 और 3 के समेत 3 में उपटर्नित अक्षीय लोकना परिवर्तन के अनुशार	सभी विधिवाली	सामाजिक सर्वे लोगू होनी	
7	पद्धतिगत खेती कोहेत भौतिक अवसरना			
7(a)	दिमानपत्रन	सभी विधिवाली		
7(b)	सभी शोतु मन्जन थार्ड जिसमें घोत भजन इकाई वा रसिति हैं	सभी विधिवाली		
7(c)	अद्यागित स्लेट/पार्क/परिस्थि ट्रेन/विवाह ग्रास्टकरण जानवर (जू. जू.) थिकेप आर्सिक ज्वोनिंग (जू. जू.) देव प्रौद्योगिकी वास्तु चास्का परिदूर	क्रतावित अद्यागित संचाल में यहाँ एक भी उडान श्रेणी का के अंतर्भूत आता है हो दूरे अद्यागित क्षेत्र की श्रेणी क ही समझा जाएगा ताकि कहे किसी भी क्षेत्र में हो	अद्यागित संवर्धन और जिनमें लम्बे से कम छुट्टी श्रेणी के उच्च उच्चार लिंक हैं जो के क्षेत्र 500 हेक्टेयर हों अद्यागित संवर्धन क्षेत्र > 500 हेक्टेयर और जिनमें किसी के या से श्रेणी का लोहे उडान नहीं है को पूरी लोगू जापथकता नहीं	विशेष शर्त लोगू होनी दिपण 500 हेक्टेयर से लम्बे क्षेत्र ली अद्यागित नियन्त्रण जिनमें के या से श्रेणी का लोहे उडान नहीं है को पूरी लोगू जापथकता नहीं
7(d)	लगान-य परिस्कर्तमय अपशिष्य उद्यवार अडासक रथ और नियन्त्रण सुविधाएँ (ड. भ. नि. जू.)	सभी एकीकृत चुम्पिटर जिनमें नर्मानकरण और भूमिकरण वा लोहन नस्तीकरण शामिल है	संदर्भ धूमि भूमि वर्ती सभी सुविधाएँ	सामाजिक सर्वे लोगू होनी

पानी—खाल (B)

कठव छांड ग्राम्य : असाम

15

7(क) एसन, बंदरगाह	१) कु जनियन हृषि वाचक दर्शन जलाई-चारहूँ दो फलता (मृत्यु वृद्धयाहूँ मै भिन्न)	२) निन्देन हृषि गाँधीज स्टोन की रुदाइ पर्याप्त हो जान्दो और पतव/बैदराम में ३) 10,000 टन गाँधीज मूल्दों पाठने की फलता	साधारण शर्त लागू होगी
7(क) राघवगां	१) नद सर्कोट चलतागै और २) 30 दिनों से ज्ञान तथाहूँ के सर्कोट राजमध्ये ला तिसार जिन्हें भाग हो कोई और अदिविजन भूमि ३) द्रहम १०० मील ते ज्ञान है तरी द्रहम द अर्थात् जाप्तों से गुरुत्व है	१) नद द्रहम ताजगाम, और २) 30 दिनों से ज्ञान हो राज्यीन प्रयत्न भाग हो कोई और अदिविजन नहीं ए कोई भूमि अर्थात् द्रहम १०० मील से ज्ञान है उपरांत उपरांत जाप्तों से गुरुत्व है।	साधारण शर्त लागू होगी
7(क) आकाशी छहक राज्यान्तरी		तमां चरित्रोजन्मार्ग	साधारण शर्त लागू होगी
7(क) रामन्त्र लाल उपरांत राज्यीन (स. र. ए. स.)		रामां पारित्रोजन्मार्ग	साधारण शर्त लागू होगी
7(क) नवराज्यान्त्र लाल आर्यिन्द्र प्रदेशन त्रिविधा (स. र. अ. ग. स.)		रामी परित्रोजन्मार्ग	साधारण शर्त लागू होगी
८	भवन/ संग्रहालय चरित्रोजन्मार्ग/क्षेत्र विकास चरित्रोजन्मार्ग और राहींकरण		
८(क) भवन एवं संग्रहालय परित्रोजन्मार्ग	१) 20000 रुपये में के निमित्त कानून क्रेड ए २) 50,000 रुपये नीटर के निमित्त ट्रैक मे	३) अन्यत्र लंगिनग के लिए लिंगिन को आकाश लो और खुली सुचिपाली ली दशा ने यह किए कलाप द्वारा भी होगा।	
८(क) नगर और सेव विकास परित्रोजन्मार्ग	४) 5000. लो लागिनित करते हुए और या निमित्त कानून १. 50,000 रुपये मिट्टे ++	— ४ (क) के अन्तर्गत लागू परित्रोजन्मार्ग जो या १ अन्तर्गत के अनुत्तर विशेषता विधि बाधा।	

दिग्गज

साधारण शर्त (स. र. ए.)

इसके "कु" ने दिविदिव निलो परित्रोजन्मार्ग को फियालालाक वर्ते ग्रहण किए ताकि वह : (i) बन्ध और विस्तार
उपरांतगत, 1972 के अन्तर्गत अधिनियम संस्कृत भेदम्; (ii) उत्तरो राज्य-समवय एवं नीराट ग्रहण निर्देश द्वारा दिया गया लूप से प्राप्त
क्रेड के रूप में पहचान भी नहीं है; (iii) परित्रोजिकों लंगिनहोल को उपयोगिता है; और (iv) अंतर्राजिक सीमाओं और अंतरराज्यीय
सीमाओं ते दस किलोमीटर के भीतर स्पृह रूप से का जारीक रूप में अवस्थित है।

विनियोग शर्त (वि. रा.)

यदि कोइ नव ४(क), ५(क), ६(क) वित्ती समयम ली ग्रहण ला दरोगों थला थोकेन्द्रिय अंतर्गत अंतर्गत प्रसिद्धता
जोन/विवेत्र जांधीज जोन/जोन प्रियोगिकी अंतर्गत/अंतर्गत विवेत्र के दूर्वा निर्दिशित गतिविधियों को दूर्वा अनुशयन नहीं किए तो समयम ली
पूर्व पर्याप्तरूप अनाप्ति नापत करते हैं, तो ऐसी संवेदाओं/कानूनों को जीतर द्रहमादेत उद्घोषों सहित निजी दरोगों को तथा तक पूर्व
पूर्व पर्याप्तरूप अनाप्ति नहीं है जब तक कि औद्योगिक रॉलेफस/सोलेफस के जीतर निवधनों तीव्र दर्तों ता अनुग्रहन नहीं करते
पर्याप्तरूप अनाप्ति लेना अपेक्षित नहीं है जब तक कि औद्योगिक रॉलेफस/सोलेफस के जीतर लंगिनियत से
(रिसी संपर्क/कानूनों की पूर्व पर्याप्तरूप अनाप्ति की निवधनों और इसी के तिए रहनाम सुनिश्चित बलों के जीतर लंगिनियत से
संपर्क संपर्क/कानूनों की पूर्व पर्याप्तरूप अनाप्ति की निवधनों और इसी के तिए रहनाम सुनिश्चित बलों के जीतर लंगिनियत से

[र. वि-110-3/56/2004-आईए. ॥१॥]

आ. चंद्रप्रकाश, संयुक्त नियम